अण्डमान निकोबार
द्वीप समाचार
संख्या 154 श्री विजय पुरम, गुरूवार, 11 जून 2026 web: dt.andaman

आईसीएआर–केवीके निंबूडेरा ने किसानों एवं कृषि आदान विक्रेताओं को किया जागरूक

श्री विजय पुरम, 10 जून

आईसीएआर–कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), निंबूडेरा ने यूटीएटीएमए, कृषि विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के सहयोग से "खेत बचाओ अभियान 2026" के अंतर्गत 8 जून 2026 को स्वदेश नगर ग्राम पंचायत के शांतिपुर गांव में किसानों के साथ तथा सुभाषग्राम पंचायत में स्थानीय कृषि आदान (इनपुट) विक्रेताओं के साथ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों में किसानों, कृषि आदान विक्रेताओं एवं स्थानीय प्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

इन कार्यक्रमों का उद्देश्य किसानों एवं कृषि आदान विक्रेताओं के बीच सतत मृदा प्रबंधन, संतुलित उर्वरक उपयोग तथा मृदा स्वास्थ्य एवं उत्पादकता में सुधार हेतु जैविक एवं प्राकृतिक खेती पद्धतियों को बढ़ावा देने के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करना था।

सुभाषग्राम पंचायत के प्रधान श्री पी. आर. सिंगारम ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए डिगलीपुर ब्लॉक में संतुलित उर्वरक उपयोग तथा जैविक खेती पद्धतियों को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रमों के दौरान आईसीएआर–केवीके, निंबूडेरा के विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को फसलों की आवश्यकता एवं मृदा पोषक तत्वों की स्थिति के आधार पर उर्वरकों के विवेकपूर्ण एवं संतुलित उपयोग के बारे में जागरूक किया। प्रतिभागियों को मृदा स्वास्थ्य में सुधार, रासायनिक निर्भरता को कम करने तथा सतत कृषि को बढ़ावा देने के लिए जैविक खाद एवं जैव

उर्वरकों के उपयोग सहित जैविक एवं प्राकृतिक खेती पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

सुभाषग्राम पंचायत में स्थानीय कृषि आदान विक्रेताओं के साथ एक विशेष संवाद सत्र भी आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य जिम्मेदार परामर्श सेवाओं को बढ़ावा देना तथा किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करना था।

यह कार्यक्रम आईसीएआर–केवीके, निंबूडेरा के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी प्रमुख डॉ. वाई. रामकृष्ण तथा आईसीएआर–सीआईएआरआई, श्री विजय पुरम के निदेशक (कार्यवाहक) डॉ. जय सुंदर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रमों में कुल 38 प्रतिभागियों ने भाग लिया।